

[illegible]

हितनामस्योत्तमवते २८ नमो नमो देवाय प्रियदत्तदा  
मो नमः श्रेष्ठः दृष्टमस्मरहृत्परिष्ठापनमः नमो नमः  
नयनमाविकृष्टाय नमः सर्वमैतत्तद्विद्वत्पतिः १  
२८ गह्वरजसविम्बोत्तमो भवाम्भोजमः जनसुखं कृते  
त्वष्टिरो मृदाय नमः प्रवक्ष्यामि साहसं रोहसं नमः  
महसिपदे निज्जगुर्देहिवा नमो नमः १० ८ राणीमने  
नमो नमः नमो नमः नमो नमः नमो नमः नमो नमः



॥ रावली प्रसाद दे ॥ रावली ॥ को धरवो रल देव सल ॥  
 ॥ गालि न दे कन लदु मिदये ॥ भवने कुटन गं गले लादि गो ॥  
 ॥ न दे लन नादि नी को ये ॥ ३ ॥ लल ॥ ब्रह्मा विह्व कहे सा ॥  
 ॥ १ ॥ लल नदु मं न्म मन् ॥ ति नुति लो का के ये ह कहे ॥  
 ॥ २ ॥ या निल लावरो भाग दे ॥ ४ ॥ ब्रह्मा हा ॥ भये ल विभा ॥  
 ॥ सिवांगो लो क धर सरवर के क नु वार ये ॥ ५ ॥ आरो नो ॥  
 ॥ ६ ॥ मा हा दे वं स व कि न डं ति गौ रा पा स ये ॥ ७ ॥ वस हा ॥  
 ॥ ८ ॥ प्र मि नो रा दु लो ॥ ति नो ध ॥ ९ ॥





॥ १ ॥ तच्च तिरगे द्वे च नुरथारथा इः वन्दा कौरथ चरराः  
 ॥ २ ॥ दिध्नोस्ते कोयं त्रिपुररत्ना भाराडं वरविधिर्विधिः की  
 ॥ ३ ॥ यो नरवत्परां तत्राप्रभुधिवः १० हरिसे साहस्यं कं  
 ॥ ४ ॥ यपदयो दे कोनागस्मिन्निजमुदह रं जे वक्रमलं गं  
 ॥ ५ ॥ रातिमसौ वक्रवपु वक्रयासां रक्षये त्रिपुरहरुजा  
 ॥ ६ ॥ तौ सुप्रेजा ज्ञावप्रसिफलयोगे कतुमताक कर्मप्र  
 ॥ ७ ॥ वाराधनमने आरत्वा संप्रेक्षः कतुपुफलरा नप्रातं वं

॥ जेतो सो निताः के तिकित्ता वोर रा हारो ॥ १॥ प्रजाप  
न दारुद्वचन्धन कि गा हये ॥ २॥ फुडी लएर कि न भवका  
हिये ॥ जनि प्रभम रा वरि मनु के मनु हर सो जित लो दर  
रदया के रुकुमिनि सुरन मुनि मना मोदये ॥ ३॥ नि मेना  
ग भै ले व्या हा न जोग ये ॥ ४॥ राजा के स्वता मंत्र विच  
॥ पा निग्रदि के नी छन के दिने निपि पव कर ति विच  
मा नाले प्रये रुकुमिनि क दे जो म भा डये ॥ ५॥ दिव  
पः स्वरा नये ॥ ६॥ हन फुडि के शिकन



4

रत्न जयप्रदो भवतु तत्प्रजानि ॥ १ ॥ अथ म  
 निः ३४ सुरवरमुनि ॥ २ ॥ अथ म  
 जलनीलैर्गन्धैः ॥ ३ ॥ अथ म  
 ३५ अहरहरानिवधधुर्जटस्तोत्रमेतत्सुदृढं प  
 ममन्तु अद्वितैः पुमान्यः ॥ ४ ॥ अथ म  
 पुनरुत्तरधनायुः पुनमाकीर्तिमांश्च ॥ ५ ॥ अथ म  
 ३६ महाशम्भापरोक्षे ॥ ६ ॥ अथ म

ॐ भागल अधिक वाध न देषये ॥६॥ वसुधा कुर्यात् सर्वभूतानि

गदि होवा नन्यामगल ॥ ॥ जगन्मगलं तन्निर्जनमादिदत्तं रा

जगन्मगलं तन्निर्जनमादिदत्तं रा

जगन्मगलं तन्निर्जनमादिदत्तं रा

जगन्मगलं तन्निर्जनमादिदत्तं रा

जगन्मगलं तन्निर्जनमादिदत्तं रा



स्त्रे शो रे की व म नि र त दे हा त घ ट ना द वौ त त्वा म धा व त व र द सु म धा  
 यु व त य २३ स्म श न ले षा की डो स्म र ह री प शा वाः सह क रा ति त्त भ र म  
 ले पो र त्र ग पि न्ठ क रौ टी प रि क रः श्र मं ग ल पं शी लं त व भ व क षा प्रे व म  
 सि द्ध लं त था पि र म त् श ग व र ह प र मं मं ग ल म सा २४ म ण पा य कि त्त  
 सा वि धु म मि धा या त म रु त्तः प्र ट ष्ठ द्रो भा राः प्र म द स लिले त्त रं ग त ह स  
 व रा लो का हा र ह र इ व नि म ज्ज ण म त्त म ये द ध त्त र स लं कि म  
 मि त्त स लिल भ व न् २५ त्त म क र्त्तु वं से म क्त्तु म लि प य न स व ह त्त

कुलसे गोरि भवं ननु मारे पति के दुरवन जा नु पद सवी पा मना त म नु सदि  
 न ते गा धरो रो ॥ ५ ॥ असे न रा धियो र हिये न सु मरि य हान सि दुरवन जा वि न  
 ल चल दू ह विर क हत है नै ना दे त ऊ सा ना ॥ ६ ॥ ये क स पि न च य प्रा ष्या है  
 उ नै गोरि पृ क दू वा ता ॥ म द न नु र नि पति के लि नु क व ने ते रो ना ॥ ७ ॥ क  
 ठि पा ॥ ट न पि ता म्बो र खै ह ले त व न ध नु ति रो ॥ गोर व द न कि दे न उ ना रो पि र्वा  
 मे रे स्या मा स रि रे ॥ ८ ॥ ति न ज ना ति न लो क का ठा क र क  
 वा ता ॥ दे व ना र न द म च वि ह म धु व न नु र नि ज र त न लो जि  
 ना ॥ म र





पुनःसो गोविन्दं ॥ ४४ ॥ वारयद्वयं ॥ ४५ ॥  
४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥  
५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥  
५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥  
६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥  
६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥  
७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥  
७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥  
८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥  
८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥  
९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥  
९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

१०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥  
१०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥  
१११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥  
११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥  
१२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥  
१२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥  
१३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥  
१३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥  
१४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥  
१४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥  
१५१ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥  
१५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥  
१६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥  
१६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥  
१७१ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥  
१७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥  
१८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥  
१८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥  
१९१ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥  
१९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥



दशवध्यादृक् परिवारः कर्मसुजनं १० क्रिपादक्षोदक्षः कतु  
अरधीशस्तनुभ्य तम्पदीशान्तिमाविज्यं शरसां दशदरवाः सुरगणाः  
कतुं भेषितं कतुषु फलदानं सनिनो क्वं कतुं भेषितं सुरगणाः  
धिवाराग्रहिमरवा ११ प्रजानाथनाथप्रसन्नमधिकं स्यादुत्तरगतां  
सहिद्रुवोरिरमपिषु मव्यस्य वरवा धनुष्यारो र्यातं दिवसं सपत्रा  
कतममुं वसंतं तेषां पितृजातं नम गव्याधरभस १२ सलीकराय  
पंथधनधनमन्त्राय तारावत्पुंरुपुं वं दृष्टापुरमधनपुष्पावपि

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham



८  
 वहंस्त्वंमापस्त्वंव्योमस्तमुधरशिरात्मात्वमिति व श्रीहृत्साम वैतथिप  
 रिरातांविभ्रुतिगिरंनविप्लस्ततत्वंवयमिहहियत्वंनभवांस १६ न  
 अतिश्रोवृत्तिस्त्रिभुवनमथोत्रीनयिसुरानकाराद्यैर्वैश्वानरादिभिरत्रिव  
 द्यतिर्गाविहति सुरियंतेधामध्वनिभिरवरुन्धानमनुनिःसमस्त  
 त्यस्तंत्वांशररादृग्गतात्पोमितिपदं १७ भवःसर्वोरुहःपशुप  
 तिरद्योग्रःसहमहंतथाभामेशज्वितिपदमिधानाद्युवापिदं  
 नमोवापि सत्येकं पविवरतिदेवपुतिरपिप्रियायास्त्यै धाद्वैप्रसि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

निकेवि

गारेणा... नवक्रिं भुवनं... वापं मञ्ज ५  
समायत्त कृतस्त्वन्मृद्वित्तवापं मञ्ज ५  
नरेशकनिशरेताहो ५  
नरेशकनिशरेताहो ५

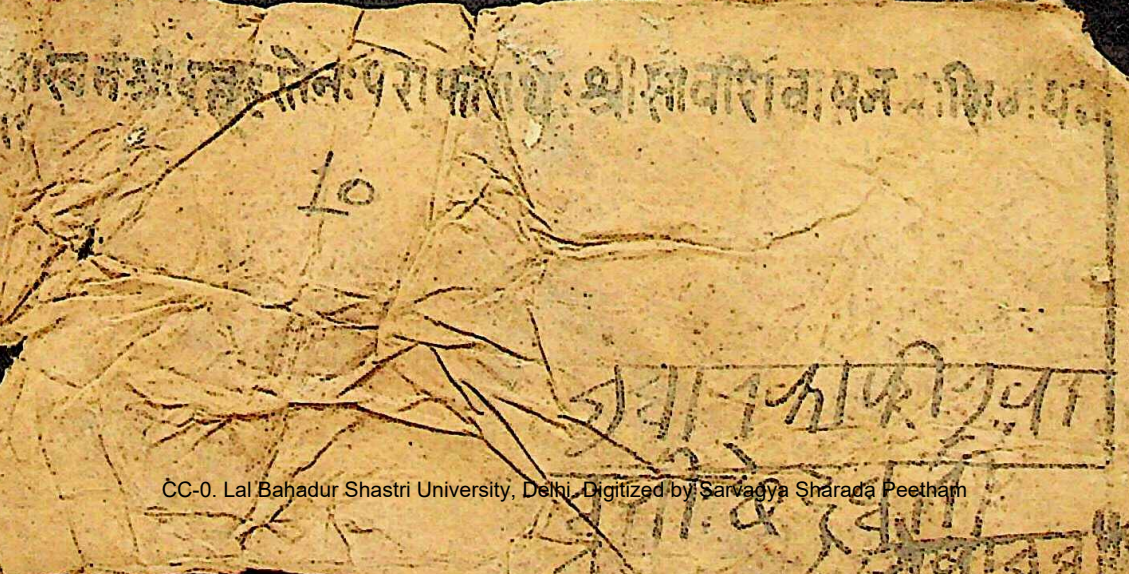
ये सात्र हा हा रिक्का डिनि कलिगइः काभि पिद्वा दे पदुन अयि ॥३॥ स्तुति स  
 क्त्या निर्य हा गिनि सुन्दरि सुनो सभि पिद्वा कि विद्यारि प्राप्ते स्तुति रज  
 यो हं हं मुक्ते स नि कलिगइः ॥४॥

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham



[illegible]

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham



श्री स्वामीजी महाराजः परमात्मैकः श्री स्वामीजी महाराजः परमात्मैकः

10

श्री स्वामीजी महाराजः परमात्मैकः



... ॥ ११ ॥ तत्पश्चात् ... नाड्यरद्वौ क्वाला इपरद्वौ ...  
... सिवपा ... रद्वौ सधु ...  
... ॥ १२ ॥ ... करलसिवा ...  
... विभूतं गी ... सनागामवश्रुत ...  
... नसद्ग ... दक्षि ...  
... दक्षि ...